A WORKSHOP ON
NATURAL FIBRES AND SUSTAINABLE
FABRIC'S i.e- MITSA
18th July -2018
Organized by
DEPARTMENT OF HOME- SCIENCE, SRI ARVIND MAHILA COLLEGE
Estd. 1960
&
ANUTTARA FABRICS LLP

सेवा में,

संपादक / न्यूज प्रमुख
दैनिक समाचार / न्यूज चैनल
पटना

विषय - कार्यक्रम के कवरेज हेतु

मान्यवर,

सहर्ष सूचित करना है कि दिनांक 18.07.2018 को 11.30 से गृह-विज्ञान विभाग द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसका विषय "A workshop on natural fibre and sustainable fabric" है। जिसके संचालन का कार्य कल्पना कुमारी, founder member of women entrepreneurs society द्वारा किया जाएगा।

अतः अनुरोध है कि इस कार्यक्रम के कवरेज हेतु अपने संवाददाता / छायाकार / कैमरा टीम भेजने की कृपा करें।

'आज के कार्यक्रम' में प्रकाशनार्थ	
कार्यक्रम	: "A workshop on natural fibre & sustainable fabric"
तिथि -	: 18.07.2018
समय -	: 11:30 / 12.30
स्थान -	श्री अरविन्द महिला कॉलेज

(signature) 18/7/18

मीडिया प्रभारी

NATURAL FIBRES AND SUSTAINABLE
18th July -2018
Organized by

18th July -2018
Organized by

	NAME	Roll No	CLASS	SIGN.
(1)	Manisha Kumari	32	Home Sc (MA)	Manisha Kumari
(2)	Nidhi Priya	15	P.G (H-Sc)	Nidhi priya
(3)	SONI KUMARI	01	P.G. 4th sem (Hons)	Soni Kumari
(4)	Shweta Raj	07	P.G 4th sem (H.S)	Shweta Raj
(5)	Reami kumari	8	P.G. I sem	Reami kumari
(6)	Rani Kumari	4	P.G IVth sem (H.S)	Rani Kumari
(7)	Sweta Bharti	18	P.G I sem	Sweta Bharti
(8)	Pallavi Sinha	30	PG I sem	Pallavi Sinha
(9)	Neha kumari	23	P.G I sem	Neha Kumari
(10)	Vinita kumari	24	P.G I sem	Vinita kumari
(11)	Manisha Kumari	11	P.G IV sem	Manisha Kumari
12)	Neha Kumari	16	P.G IV sem	Neha kum.
13)	Shalini Priya	45	P.G II sem	Shalini Priya
14)	Anu Kumari	46	P.G II sem	Anu Kumari
15)	Archana Kumari	3	P.G II Sem	Archana Kumari
16)	Chinku kumari	05	P.G IV sem	Chinku Kumari
17)	Zahida Khatoon	31	P.G Ist semester	Zahida Khatoon
(18)	Sudha Rani	34	P.G IV th sem (H.Sc)	sudha Rani
19)	Anusha Bharti	06	P.G IInd sem	Anusha Bharti
20)	Sulekha kumari	21	P.G II sem	Sulekha kumari
21	menka kumari	54	P.G IV Sem	menka kumari
22	Shiva kumari	13	P.G IV Sem (H.Sc)	Shiva kumari
23	Jyoti kumari	30	P.G IV Sem (H.Sc)	Jyoti kumari
24	Rekha kumari	50	P.G IV sem	Rekha kumari
25	RUBI KUMARI	62	P.G IV sem H.Sc	Rubi kumari
26	Ayushi kumari	38	P.G II sem	Ayushi kumari
27.	Nargis Gupta	09	P.G II sem	Nargis gupta
28	Jyoti Kumari	28	P.G IV Sem	Jyoti kumari
29	Nisha Kumari	473	B.A I H.S	Nisha Kumari
30	Juli Kumari	28	P.G I H.S	Juli Kumari
31	Sabita Rani	2	P.G I H.S	Sabita Rani
32	Soni Kumari	13	P.G Home.Sc	Soni Kumari

	NAME	ROLL NO.	CLASS	SIGN
33	Puja Rani	151	B.A. II	Puja Rani
34	Aakriti Kumari	134	BA II	Aakriti Kumari
35	Priya Bharti	276	BA II	Priya Bharti
36.	Priyanka kumari	37	P.G IInd semester	Priyanka kumari
37	Soni Kumari	14	P.G IInd semester	Soni Kumari
38	Vibha Kumari	05	P.G I Semester	Vibha kumari
(39)	Shilpi Kumari	06	P.G I Semester	Shilpi
30	Chanchal Kumari	10	P.G I Sem	Chanchal
31	Puja kumari	205	B.A. IInd year	Puja kumari
32	Ujala Pravin	86	IA IInd year	Ujala Pravin
33)	Anita kumari	86	I. com IInd year	Anita kr
34)	Khushboo Kumari	89	IA	Khushboo
(35)	Aabha Kumari	138	I.A	Aabha kumari
36	Deepti kumari	129	I.A 2nd year	Deepti kumari
37	Nancy Kumari	36	I.A 2nd year	Nancy
38	PuJa Kumari	54	I.A II	PuJa Kumari
39	Anjali Kumari	162	I.A II year	Anjali Kumari
40	Ragini Kumari	131	I.A 2nd year	Ragini
41	Prity kumari	12	P.G IVth sem	Prity kumari
42	Shruti	02	P.G IInd Sem	Shruti
43	Subhashini Kumari	95	B.Com Part II	Subhashini kr.
44.	Swati	87	B.Com Part II	Swati
45	Aarani Kumari	09	PG IVth Sem	Aarani
46	Abhilasha Kumari	01	PG II Sem	Abhilasha Kumari
47	Alka Kumari	105	B.Com Part I	Alka
48	Puja Kumari	60	B.Com Part I	Puja
49	Neha Kumari	92	B.Com Part 1	Neha
50	Ritu kumari	93	B.com part 1	Ritu
51	Shalini Sinha	206	B.com part 1	Shalini
52.	Priyanka kumari	76	B.com part I	Priyanka
53	Sonikumari	166	I.com sec year	sonikumari
54	Pooja kumari	8	Icom. Second year	pooja
55	Alpana Kumari	55	I com. second yr	Alpana

	NAME	Roll No	CLASS	SIGN.
56	Megha Kumari	09	I com. secondyr	Megha
57	Ravina kumari Singh	305	I com. Secondyr	Raving
58	Rashmi singh	95	M.com. 1st	Rashmi Singh
59	mamta kumari	86	B. com 1st year	mamta kumari
60	Asha Rani	104	B. com, 1st year	Asha Rani
61	Pushpa kumari	82	B. A 2nd year	Pushpa kumari
62	Nanshi kumari	83	B.A 2nd year	Nanshi Kumari
63.	Preeti Kumari	577	B.A 1st year	Preeti
64	Jyoti Kumari	128	I A 2nd year	Jyoti Kumari
65	Priya Jha	07	I.A 2nd year	Priya Jha
66	Ananya	12	I.A 2nd year	Ananya
67	Nisha kumari	198	I.A 2nd year	Nisha
68	Varsha Kumari	204	I.A 2nd year	Varsha.
69	Barkha Sinha	01	P.G Ist Sem.	Barkha
70	Mala Kumari	16	I. A 2nd year	Mala
71	Anita kumari	219	I. A 2nd year	Anita kumari
72	Anuradha Raj	78	I. A 2nd year	Anuradha Raj
73	Priyanka Raj	164	I.A 2nd year	Priyanka Raj
74	Tanya Kumari	67	I.A 2nd year	Tanya Kumari
75	Archana Kumari	81	I.A 2nd year	Archana kumari
76	Radhika Priya	92	I.A 2nd year	Radhika Priya
77	kajal kumari	84	I.A 2nd year	kajal kumari
78	Dolly kumari	20	M.Apr II semester	Dolly Kumari
79	Sushma kumari	39	M.A. II Sem.	Sushma kumari
80	Sharda Kumari	27	M.A II Sem.	Sharda Kumari
81	Prakriti		M.A II Sem.	Prakriti Chandra
82	Radhika kumari	22	BCA II	Radhika Kumari (J.S)
83	Megha Kumari	13	B.C.A. II	Megha Kumari
84	Puja Kumari	293	B. COM II yr.	Puja kumari
85	Purnima kumari	294	B.COM II yr.	Purnima kumari
86	Jyoti Kumari	25	Home-sc IV Sem	Jyoti kumari
87	Pratibha Kumari	59	H. Sce IV Sem	Pratibha Kumari
88	Lusi kumari	11	A.M Home-sc	Lusi Kumari

स्थापित : 1960
दूरभाष : 0612-3266992, 3266993
ई-मेल : samcpatna0612@gmail.com
वेबसाइट : www.samcpatna.com

श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई)
काजीपुर, पटना – 800 004 (बिहार)

पत्रांक .... दिनांक 18.7.2018

प्रेस विज्ञप्ति

"A WORKSHOP ON NATURAL FIBRE AND SUSTAINABLE FABRIC" – MITSA"

प्राकृतिक रेशे एवं वहनीय कपड़ों पर एक कार्यशाला

पटना, 18 जुलाई

गृहविज्ञान विभाग, श्री अरविन्द महिला कालेज द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन वस्त्रोपयोगी प्राकृतिक रेशे पर किया गया। इस कार्यक्रम में कल्पना कुमारी जो founder member women entrepreneurs society की है, उन्होंने प्राकृतिक रेशे के अंतर्गत आने वाले वानस्पतिक रेशे जैसे कपास, लिनन, जूट, जान्तव रेशे में आने वाले रेशम इन सभी की उत्पत्ति विशेषतायें बुनाई, रंगाई, परिष्करण तथा पहचान की विधि को विस्तारपूर्वक बताया। इसको बताने हेतु स्लाइड्स भी तथा साक्ष्य रूप से विभिन्न प्रकार के कोकून को दिखाया। रेशम के प्रकार के अंतर्गत स्वनिर्मित रेशम जैसे - मूगा सिल्क, अरण्डी (Eri silk) तथा टसर सिल्क के बारे में विशेष रूप से बिहार के भागलपुर में उत्पादित कपड़ों के बारे में जानकारी दी।

आरंभ में आयोजन का उद्घाटन करते हुए कालेज की प्राचार्य प्रो. पूनम चौधरी ने कहा कि आजकल के वस्त्रों में मिलावटी रेशों का प्रयोग ज्यादा मात्रा में किया जा रहा है परंतु प्राकृतिक रेशों से निर्मित वस्त्र ही सर्वोपरि है। विषय परिचय तथा कार्यक्रम के संचालन का कार्य समन्वयक डॉ० विम्मी सिंह ने किया और कहा कि भारत कपास का जन्मदाता रहा है और आज

दूरभाष : 0612-3266992, 3266993
ई-मेल : samcpatna0612@gmail.com
वेबासाइट : www.samcpatna.com

श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई)
काजीपुर, पटना - 800 004 (बिहार)

पत्रांक ....

दिनांक ....

भी फैशन की दुनिया में भी प्राकृतिक रेशों से बने वस्त्रों ने अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। इस कार्यक्रम में डा० कुंजन, डा० नीलम, सोनी कुमारी, अनुभा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएँ एवं छात्रायें उपस्थित थी। गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा० शहनाज खानम के धन्यवाद ज्ञापन से आयोजन संपन्न हुआ।

18.7.18

प्राचार्या

Principal
Sri Arvind Mahila College
Kazipur, PATNA

अरविंद महिला कॉलेज में हुनर तो गंगा देवी कॉलेज में सशक्तीकरण के लिए छात्राओं को किया गया जागरूक

प्राकृतिक रेशों संग रंगाई और बुनाई से हुईं रूबरू

अरविंद महिला कॉलेज

अरविंद महिला कॉलेज में बुधवार को कार्यशाला का उद्घाटन करतीं प्राचार्य व अन्य। • हिन्दुस्तान

- अरविंद महिला कॉलेज में गृह विज्ञान विभाग की ओर से आयोजन
- छात्राओं को विभिन्न प्रकार के नेचुरल फाइबर के बारे में बताया गया

02 महिला कॉलेजों की छात्राओं को किया गया जागरूक

अरविंद महिला कॉलेज में बुधवार को गृहविज्ञान विभाग की कार्यशाला में शामिल छात्राएं। • हिन्दुस्तान

शराबबंदी और दहेजबंदी महिलाओं के सहयोग के बिना संभव नहीं

गंगा देवी कॉलेज में बुधवार को सेमिनार का उद्घाटन करते विधान पार्षद डॉ. रणबीर नंदन और पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडेय। • हिन्दुस्तान

गंगा देवी कॉलेज

पटना | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

गंगा देवी महिला कॉलेज में बुधवार को शराबबंदी और दहेज बंदी में महिलाओं की भूमिका पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बिहार सैन्य पुलिस, प्रेम यूथ फाउंडेशन और पहल के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में विधान पार्षद डॉ. रणबीर नंदन और पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडेय ने दीप जलाकर किया। सेमिनार की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ. श्यामा राय ने जबकि संचालन प्रेम जी ने किया। अवसर पर गुप्तेश्वर पांडेय ने छात्राओं को अपील करते हुए कहा कि हमारा काम समाज ...

सेमिनार

- डॉ. रणबीर नंदन और ... पांडेय ने किया उद्घाटन
- दहेज को न कहने के ... को आत्मनिर्भर बनना

महिलाओं का सबसे बड़ा ... शराबबंदी हो या दहेज ... आवाज बुलंद करना, ... बिना यह संभव नहीं ... रणबीर नंदन ने कहा ... कहने के लिए बेटियों ... बनाना होगा तभी यह ... हो पाएगा। छात्राओं ... दौरान शराबबंदी और ... आवाज उठाने का ... अवसर पर आई ... अपर पुलिस अधी... कंकड़बाग के ... शर्मा, आशीष ...

कॉलेज छात्राओं
रंगाई व बुनाई

अरविंद महिला कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं के लिए वस्त्रों प्रयोगी प्राकृतिक रेशो पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्राओं को वस्त्रों के बारे में जानकारी कल्पना कुमारी ने दी। उन्होने छात्राओं को बताया कि किस प्रकार प्राकृतिक सामान का उपयोग कर हम एक सुंदर और स्टाइलिश कपड़ों का निर्माण कर सकते हैं। उन्होने प्राकृतिक रेशो के अंदर आने वाले सारे रेशे जैसे कपास, लिनन, जूट, जान्तव की विशेषता बताते बुनाई, रंगाई और डिजाइन में इनके उपयोग की तरकीब बताई। कार्यक्रम के दौरान कल्पना ने कुछ प्रयोग कर दिखाया कि किस प्रकार नए-नए प्रयोग कर के हम नए तरीके की डिजाइन बना सकते हैं। मौके पर कॉलेज की प्राचार्य पूनम चौधरी ने कहा कि इस तरह के कार्यशाला बच्चों के लिए बहुत जरूरी है।

सस्टेनेबल फैब्रिक पर वर्कशॉप का आयोजन

कपड़ों में मिलावटी रेशों का किया जा रहा ज्यादा प्रयोग

▪ अरविंद महिला कॉलेज में हुआ आयोजन

[illegible]

[illegible]

कार्यशाला • अरविंद महिला कॉलेज में प्राकृतिक रेशे में मिलावट से पड़ने वाले असर पर चर्चा

नेचुरल फैब्रिक पहन फैशन फ्रेंडली लोग दिखेंगे कूल और स्टाइलिश

सिटी रिपोर्टर | पटना

आज की दुनिया फैशन सेंट्रिक है। हम फैशन को सबसे अधिक महत्व देते हैं। टीवी चैनलों और फिल्म के एक्टर को देख हम भी उनकी तरह कपड़े पहनना पसंद करते हैं। उनके पहने हुए स्टाइल के कपड़े मार्केट में तो आसानी से मिल जाते है लेकिन उनकी क्वालिटी में आसमान-जमीन का फर्क होता है। इन्हीं कपड़ों के बीच का फर्क बताने के लिए अरविंद महिला कॉलेज में प्राकृतिक रेशे पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीमेन इंटरप्रेन्योर सोसाइटी की मेंबर कल्पना कुमारी ने बताया कि प्राकृतिक रेशों के अंतर्गत आने वाले कपास, लिनन, जूट से बने कपड़े शरीर के लिए लाभदायक होते हैं।

अकसर देखा जाता है कि लोग अच्छे कपड़ों की चाहत में बड़े-बड़े ब्रांड के नाम पर भरोसा करते है। सिर्फ ब्रांड का नाम देख कर ही कपड़ों को खरीद लेते है। हर दुकानदार कपड़े को ब्रांडेड ही बताता है। लोग सही से पहचान नहीं कर पाते और धोखा खा जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि ब्रांड पर ना जाकर उनकी क्वालिटी को देखें। उन्होंने कपड़ों की बुनाई, रंगाई और पहचान की विधि को विस्तारपूर्ण बताया। स्लाइड शो व विभिन्न तरह के कोकून को दिखाया कर बनाने के लिए भी सिखाया गया। रेशम के प्रकार के अंतर्गत स्वर्णिमित रेशम जैसे मूंगा, सिल्क, अरंडी और तसर सिल्क के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही बिहार के भागलपुर में उत्पादित कपड़ों के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि कुछ कपड़े स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं तो कुछ लाभदायक, इसे हमें परखने की जरूरत है। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. पूनम चौधरी ने कहा कि आजकल के कपड़ों में मिलावटी रेशों का प्रयोग ज्यादा किया जा रहा है, लेकिन प्राकृतिक रंगों से बना हुआ कपड़ा ही अच्छा है। इन कपड़ों में सुंदरता के साथ ही एक अलग चमक दिखती है। डॉ. बिम्मी सिंह ने कहा कि भारत कपास का जन्मदाता रहा है। आज भी फैशन की दुनिया में प्राकृतिक रेशों से बने कपड़ों ने महत्वपूर्ण जगह बना ली है। इस कार्यक्रम में डॉ. कुंजन, डॉ.नीलम, मोनी कुमारी, अनुभा व बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित थी। अंत में डॉ. शहनाज खान ने धन्यवाद दिया।

Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B+ Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

A workshop on natural fibre & sustainable fabric

Date	No. of students enrolled	Organizing Department
18-07-2018	88	Home Science

दूरभाष : 0612-3266992, 3266993
ई-मेल : samcpatna0612@gmail.com
वेबसाइट : www.samcpatna.com

श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई)

काजीपुर, पटना - 800 004 (बिहार)

दिनांक 18.7.2018

प्रेस विज्ञप्ति

"A WORKSHOP ON NATURAL FIBRE AND SUSTAINABLE FABRIC" – MITSA"

प्राकृतिक रेशे एवं वहनीय कपड़े पर एक कार्यशाला

पटना, 18 जुलाई

गृहविज्ञान विभाग, श्री अरविन्द महिला कालेज द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन वस्त्रोपयोगी प्राकृतिक रेशे पर किया गया। इस कार्यक्रम में कल्पना कुमारी जो founder member women entrepreneurs society की हैं, उन्होंने प्राकृतिक रेशे के अंतर्गत आने वाले वानस्पतिक रेशे जैसे कपास, लिनन जूट, जान्तव रेशे में आने वाले रेशम इन सभी की उत्पत्ति विशेषताएं बुनाई, रंगाई, परिष्करण, तथा पहचान की विधि को विस्तारपूर्वक बताया। इसको बताने हेतु स्लाइड शो तथा साक्ष्य रूप से विभिन्न प्रकार के कोकून को दिखाया। रेशम के प्रकार के अंतर्गत स्वनिर्मित रेशम जैसे - मूंगा सिल्क, अरण्डी (eri silk) तथा टसर सिल्क के बारे में विशेष रूप से बिहार के भागलपुर में उत्पादित कपड़ों के बारे में जानकारी दी।

आरंभ में आयोजन का उद्घाटन करते हुए कालेज की प्राचार्य प्रो. पूनम चौधरी ने कहा कि आजकल के वस्त्रों में मिलावटी रेशों का प्रयोग ज्यादा मात्रा में किया जा रहा है परंतु प्राकृतिक रेशों से निर्मित वस्त्र ही सर्वोपरि है। विषय परिचय तथा कार्यक्रम के संचालन का कार्य समन्वयक डा० विम्मी सिंह ने किया और कहा कि भारत कपास का जन्मदाता रहा है और आज

दूरभाष : 0612-3266992, 3266993
ई-मेल : samcpatna0612@gmail.com
वेबासाइट : www.samcpatna.com

श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई)

काजीपुर, पटना - 800 004 (बिहार)

दिनांक ....

भी फैशन की दुनिया में भी प्राकृतिक रेशों से बने वस्त्रों ने अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। इस कार्यक्रम में डा० कुंजन, डा० नीलम, सोनी कुमारी, अनुभा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं छात्रायें उपस्थित थीं। गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा० शहनाज खानम के धन्यवाद ज्ञापन से आयोजन संपन्न हुआ।

18.7.18

प्राचार्या

Principal

Sri Arvind Mahila College

Kazipur, PATNA

सस्टेनेबल फैब्रिक पर वर्कशॉप का आयोजन

कपड़ों में मिलावटी रेशों का किया जा रहा ज्यादा प्रयोग

- अरविंद महिला कॉलेज में हुआ आयोजन

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

श्री अरविंद महिला कॉलेज में होम साइंस विभाग की ओर से नेचुरल फाइबर व सस्टेनेबल फैब्रिक पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया. इस आयोजन में वीमेन एंटरप्रीन्योर सोसाइटी की फाउंडर मेंबर कल्पना कुमारी मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद थी. आयोजन का उद्घाटन कॉलेज की प्राचार्या डॉ पूनम चौधरी द्वारा किया गया. उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल के कपड़ों में मिलावटी रेशों का प्रयोग ज्यादा मात्रा में किया जा रहा है परंतु प्राकृतिक रेशों से निर्मित वस्त्र ही सर्वोपरि है. समन्वयक डॉ किम्मी सिंह ने कहा कि भारत कपास का जन्मदाता रहा है.

आज भी फैशन की दुनिया में भी प्राकृतिक रेशों से बने वस्त्रों ने अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है. कल्पना कुमारी ने छात्राओं को प्राकृतिक रेशे (नेचुरल फाइबर) के अंतर्गत आने वाले वानस्पतिक रेशे जैसे कपास, लिनन, जूट, जान्तव रेशे की उत्पत्ति, विशेषताएं, बुनाई, रंगाई, परिष्करण तथा पहचान की विधि को विस्तारपूर्वक बताया. छात्राओं को स्लाइड के माध्यम से सारी जानकारी दी गयी साथ ही स्वयं रूप से विभिन्न प्रकार के कोकून को दिखाया. इसके अलावा कई प्रकार के स्वनिर्मित रेशम के बारे में भी जानकारी दी. धन्यवाद ज्ञापन होम साइंस विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ शहनाज खानम ने किया. इस अवसर पर विभाग के टीचर्स के अलावा कई अन्य टीचर व छात्राएं मौजूद थीं.

कार्यशाला में बोलती वक्ता एवं कपड़ों का प्रदर्शन करता युवक.

कॉलेज छात्रा[illegible]
रंगाई व बुनाई

अरविंद महिला कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं के लिए वस्त्रों प्रयोगी प्राकृतिक रेशो पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्राओं को वस्त्रों के बारे में जानकारी कल्पना कुमारी ने दी। उन्होने छात्राओं को बताया कि किस प्रकार प्राकृतिक सामान का उपयोग कर हम एक सुंदर और स्टाइलिश कपड़ों का निर्माण कर सकते हैं। उन्होने प्राकृतिक रेशो के अंदर आने वाले सारे रेशे जैसे कपास, लिनन, जूट, जान्तव की विशेषता बताते बुनाई, रंगाई और डिजाइन में इनके उपयोग की तरकीब बताई। कार्यक्रम के दौरान कल्पना ने कुछ प्रयोग कर दिखाया कि किस प्रकार नए-नए प्रयोग कर के हम नए तरीके की डिजाइन बना सकते हैं। मौके पर कॉलेज की प्राचार्य पूनम चौधरी ने कहा कि इस तरह के कार्यशाला बच्चों के लिए बहुत जरूरी है।

कार्यशाला • अरविंद महिला कॉलेज में प्राकृतिक रेशे में मिलावट से पड़ने वाले असर पर चर्चा

नेचुरल फैब्रिक पहन फैशन फ्रेंडली लोग दिखेंगे कूल और स्टाइलिश

सिटी रिपोर्टर | पटना

आज की दुनिया फैशन सेंट्रिक है। हम फैशन को सबसे अधिक महत्व देते हैं। टीवी चैनलों और फिल्म के एक्टर को देख हम भी उनकी तरह कपड़े पहनना पसंद करते हैं। उनके पहने हुए स्टाइल के कपड़े मार्केट में तो आसानी से मिल जाते है लेकिन उनकी क्वालिटी में आसमान-जमीन का फर्क होता है। इन्हीं कपड़ों के बीच का फर्क बताने के लिए अरविंद महिला कॉलेज में प्राकृतिक रेशे पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीमेन इंटरप्रन्योर सोसाइटी की मेंबर कल्पना कुमारी ने बताया कि प्राकृतिक रेशों के अंतर्गत आने वाले कपास, लिनन, जूट से बने कपड़े शरीर के लिए लाभदायक होते हैं।

अकसर देखा जाता है कि लोग अच्छे कपड़ों की चाहत में बड़े-बड़े ब्रांड के नाम पर भरोसा करते हैं। सिर्फ ब्रांड का नाम देख कर ही कपड़ों को खरीद लेते हैं। हर दुकानदार कपड़े को ब्रांडेड ही बताता है। लोग सही से पहचान नहीं कर पाते और धोखा खा जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि ब्रांड पर ना जाकर उनकी क्वालिटी को देखें। उन्होंने कपड़ों की बुनाई, रंगाई और पहचान की विधि को विस्तारपूर्ण बताया। स्लाइड शो व विभिन्न तरह के कोकून को दिखाया कर बनाने के लिए भी सिखाया गया। रेशम के प्रकार के अंतर्गत स्वनिर्मित रेशम जैसे मूंगा, सिल्क, अरंडी और तसर सिल्क के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही बिहार के भागलपुर में उत्पादित कपड़ों के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि कुछ कपड़े स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं तो कुछ लाभदायक, इसे हमें परखने की जरूरत है। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. पूनम चौधरी ने कहा कि आजकल के कपड़ों में मिलावटी रेशों का प्रयोग ज्यादा किया जा रहा है, लेकिन प्राकृतिक रंगों से बना हुआ कपड़ा ही अच्छा है। इन कपड़ों में सुंदरता के साथ ही एक अलग चमक दिखती है। डॉ. विम्मी सिंह ने कहा कि भारत कपास का जन्मदाता रहा है। आज भी फैशन की दुनिया में प्राकृतिक रेशों से बने कपड़ों ने महत्वपूर्ण जगह बना ली है। इस कार्यक्रम में डॉ. कुंजन, डॉ.नीलम, सोनी कुमारी, अनुभा व बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित थी। अंत में डॉ. शहनाज खान ने धन्यवाद दिया।

अरविंद महिला कॉलेज में हुनर तो गंगा देवी कॉलेज में सशक्तीकरण के लिए छात्राओं को किया गया जागरूक

प्राकृतिक रेशों संग रंगाई और बुनाई से हुईं रूबरू

अरविंद महिला कॉलेज

पटना | कार्यालय संवाददाता

अरविंद महिला कॉलेज में बुधवार को गृहविज्ञान विभाग की ओर से नेचुरल फाइबर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. पूनम चौधरी ने कहा कि आजकल वस्त्रों में मिलावटी रेशों का प्रयोग किया जा रहा है।

अरविंद महिला कॉलेज में बुधवार को कार्यशाला का उद्घाटन करती प्राचार्य व अन्य। • हिन्दुस्तान

- अरविंद महिला कॉलेज में गृह विज्ञान विभाग की ओर से आयोजन
- छात्राओं को विभिन्न प्रकार के नेचुरल फाइबर के बारे में बताया गया

02 महिला कॉलेजों की छात्राओं को किया गया जागरूक

अरविंद महिला कॉलेज में बुधवार को गृहविज्ञान विभाग की कार्यशाला में शामिल छात्राएं। • हिन्दुस्तान

शराबबंदी और दहेजबंदी महिलाओं के सहयोग के बिना संभव नहीं

गंगा देवी कॉलेज में बुधवार को सेमिनार का उद्घाटन करते विधान पार्षद डॉ. रणबीर नंदन और पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडेय। • हिन्दुस्तान

गंगा देवी कॉलेज

पटना | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

गंगा देवी महिला कॉलेज में बुधवार को शराबबंदी और दहेज बंदी में महिलाओं की भूमिका पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बिहार सैन्य पुलिस, प्रेम यूथ फाउंडेशन और पहल के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में विधान पार्षद डॉ. रणबीर नंदन और पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडेय ने दीप जलाकर किया। सेमिनार की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ. श्यामा राय ने जबकि संचालन प्रेम जी ने किया। अवसर पर गुप्तेश्वर पांडेय ने छात्राओं को अपील करते हुए कहा कि हमारा काम समाज में चोर पैदा न होने देने का भी है जिसमें

सेमिनार